आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 07.09.2025
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- प्रदेश में 'मुख्यमंत्री युवा भविष्य निर्माण योजना' का शुभारंभ। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए पहले चरण में 11 हजार छात्रों को निःशुल्क ऑनलाइन कोचिंग से जोड़ा जाएगा।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हिमालय संरक्षण को जन–जन का आंदोलन बनाने का आह्वान किया।
- प्रदेश के दुर्गम और सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात सेना और अर्धसैनिक बलों की जनगणना के लिए देहरादून में विशेष प्रशिक्षण शुरू।
- कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने पौड़ी जिले के पोखड़ा में श्रमिक पंजीकरण व नवीनीकरण शिविर में सुनी समस्याएं। त्वरित निस्तारण के अधिकारियों को दिए निर्देश।

मुख्यमंत्री युवा भविष्य निर्माण

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज देहरादून में 'मुख्यमंत्री युवा भविष्य निर्माण योजना' का शुभारंभ किया। योजना के तहत राज्य के युवाओं को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क ऑनलाइन कोचिंग और गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें सिविल सर्विसेज, रक्षा सेवाएं, बैंकिंग, रेलवे और एसएससी सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाएं शामिल होंगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना का उद्देश्य युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बेहतर मार्गदर्शन और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना है, ताकि आर्थिक संसाधनों की कमी किसी भी प्रतिभाशाली युवा के सपनों के आड़े न आए। उन्होंने कहा कि यह योजना विशेष रूप से प्रदेश के दूरस्थ और पर्वतीय क्षेत्रों के युवाओं के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश के विश्वविद्यालयों तथा शासकीय और सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र इस योजना के पात्र होंगे। पहले चरण में करीब 11 हजार युवाओं को निःशुल्क कोचिंग उपलब्ध कराई जाएगी।

हिमालय दिवस

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, आज देहरादून में हिमालय दिवस के अवसर पर आयोजित 'हिमालयो नाम नगाधिराजः' कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने हिमालय परिषद में मूलभूत सुविधाओं और संसाधनों के विकास के लिए एक करोड़ रुपये देने की घोषणा की। इसके अलावा उन्होंने हिमालय संरक्षण, संवर्धन और सतत विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और विशिष्ट व्यक्तित्वों को हर वर्ष 'हिमालय विभूति सम्मान' देने की भी घोषणा की। श्री धामी ने कहा कि हिमालय उत्तराखंड की पहचान, संस्कृति और अस्तित्व का आधार है। जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वॉर्मिंग के प्रभावों को देखते हुए विकास कार्यों में विज्ञान, तकनीक, सुरक्षा और प्रकृति के बीच संतुलन जरूरी है। उन्होंने कहा कि राज्य का विकास मॉडल, पारिस्थितिकी और अर्थव्यवस्था के संतुलन पर आधारित होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमालय संरक्षण के लिए जनभागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने हिमालय संरक्षण को जन–जन का आंदोलन बनाने का आह्वान किया।

जन सुनवाई

जिला मुख्यालय चमोली में आज आयोजित जनता दरबार में विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आए लोगों ने अपनी समस्याएं जिलाधिकारी गौरव कुमार के समक्ष रखीं। इस दौरान लोगों की सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि से जुड़ी 27 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निस्तारण किया किया। जिलाधिकारी ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार त्वरित कार्रवाई कर निस्तारण के निर्देश दिए।

जनगणना प्र"िाक्षण

प्रदेश के दुर्गम और सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात सेना, अर्धसैनिक बलों और अन्य सुरक्षाकर्मियों की जनगणना के लिए आज से देहरादून स्थित जनगणना निदेशालय में विशेष प्रशिक्षण शुरू हुआ। पहले चरण में करीब 35 कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। चीन और नेपाल से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के कारण राज्य के संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात जवानों की गणना भी जनगणना प्रक्रिया का हिस्सा होगी। जनगणना निदेशक ईवा आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि संवेदनशील और प्रतिबंधित क्षेत्रों में सुरक्षा व गोपनीयता को देखते हुए जवानों की गणना डिजिटल ऐप के बजाय पेपर मोड में की जाएगी। बाद में इन आंकड़ों को डिजिटल करके कुल आबादी में शामिल किया जाएगा।

ि”ाविर

पौड़ी जिले के पोखड़ा ब्लॉक सभागार में आज श्रमिक पंजीकरण और नवीनीकरण शिविर आयोजित किया गया। कैबिनेट मंत्री और चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज ने शिविर में जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं तथा उनके त्वरित निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि श्रमिक प्रदेश और देश के विकास की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। सरकार का उद्देश्य है कि श्रमिकों को उनके अधिकारों और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सरलता, पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से मिले। उन्होंने श्रमिकों से समय पर पंजीकरण और नवीनीकरण कराने की अपील की।

बागे”वर बारि”ा

चम्पावत जिले में पिछले तीन दिनों से हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित है। नदी–नाले और गाड़–गदेरे उफान पर हैं, जबकि करीब आधा दर्जन सड़कें अवरुद्ध हैं, जिन्हें खोलने का कार्य जारी है। जिलाधिकारी मनीष कुमार ने लोगों से सतर्कता बरतने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है। उन्होंने निचले इलाकों और नदी–नालों के किनारे बसे गांवों, विशेषकर बनबसा और टनकपुर क्षेत्र के निवासियों को विशेष सावधानी बरतने को कहा है। प्रशासन ने आपात स्थिति या मार्ग अवरुद्ध होने पर टोल फ्री नंबर 1–0–7–7 सहित अन्य हेल्पलाइन नंबरों पर सूचना देने की अपील की है।

उधर, बागेश्वर जिले में भी रुक–रुक कर हो रही बारिश से जन–जीवन प्रभावित हो गया है। मलबा और भूस्खलन के कारण 15 सड़कें बाधित हैं। बारिश से नदी–नाले भी उफान पर हैं। आपदा प्रबंधन अधिकारी प्रवीण गोस्वामी ने बताया कि मार्गों को खोलने के लिए संबंधित विभागों की टीमें जुटी हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।